



## भूमि अधिग्रहण संशोधन विधियक

### चर्चा में क्यों?

24 अगस्त, 2021 को हरियाणा विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिनि विधानसभा में 'भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता अधिकार (हरियाणा संशोधन) विधियक, 2021' पारति हो गया।

### प्रमुख बिदि

- यह विधियक **हरियाणा विधानसभा** के मानसून सत्र के अंतिम दिनि राज्य विधानसभा द्वारा पारति छह विधियकों में से एक है।
- विधानसभा में पारति होने के बाद अब इसे राष्ट्रपति की मंजूरी के लिये भेजा जाएगा। मंजूरी मिलने के बाद यह कानून बन जाएगा और सरकार द्वारा अधिसूचना जारी करने पर लागू होगा।
- संशोधन विधियक के अनुसार **भूमि अधिग्रहण** के लिये **किसानों की सहमतिलेने का काम DC (District Collector)** करेंगे।
- अधिग्रहण के बाद सरकार **किसी भी समय ज़मीन पर कब्ज़ा कर सकती है। 48 घंटे पूर्व नोटिस देने की बाध्यता नहीं होगी।**
- पुरातत्त्व स्थलों व वन भूमि को अधिग्रहण के दौरान सुरक्षति एवं संरक्षति रखा जाएगा।
- सरकार जनि किसानों से 200 एकड़ से कम ज़मीन खरीदेगी, उन्हें कुल कीमत के अलावा **50 फीसदी अतिरिक्त राशिका एकमुश्त भुगतान** करेगी।
- गौरतलब है कि **हरियाणा 2013 में बने भूमि अधिग्रहण कानून में संशोधन करने वाला पहला राज्य नहीं है। तमलिनाडु, तेलंगाना, गुजरात, महाराष्ट्र व आंध्र प्रदेश** जैसे बड़े राज्य पहले ही इसमें संशोधन कर चुके हैं। **कुल 16 राज्यों ने अपनी सुविधानुसार इस कानून में संशोधन किये हैं।**